षोडश

बिहार विधान सभा

नवम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 2 चैत्र, 1940 (श0)
23 मार्च, 2018 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 06

(1) स्वास्थ्य विभाग	..	..	06
		कुल योग —	06

कार्रवाई करना

'क'-21. श्री रामदेव राय--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार में बड़े पैमाने पर लकड़ी की कुन्नी में रंग और केमिकल मिलाकर खाने का मसाला तैयार किया जा रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि बाजार में बिक रही हल्दी, धनियाँ, मिर्चा, गोलमिर्च एवं गरम मसाले के पाउडर में रंग एवं केमिकल का मिलावट किया जा रहा है तथा काला नमक एवं सेंधा नमक के पाउडर में स्टोन पाउडर मिलाकर खुदरा बाजार के अलावे ब्रांडेड कम्पनी की पैकिंग डिब्बों की नकल कर मिलावटी मसालों को पैक कर बाजार में धड़ल्ले से भेजी जा रही है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपरोक्त मिलावटों के कारण आम लोगों की जान पर होने वाली खतरा को दूर करने एवं ऐसे धंधे करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

धांधलीमुक्त निर्वाचन

35. डॉ0 रामानुज प्रसाद--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 28 जनवरी, 2018 को प्रकाशित शीर्षक ''बिहार का निर्वाचन किया रद्द, फिर से होगा चुनाव'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार में सी0सी0आई0एम0 के लिये आयुर्वेद निर्वाचन क्षेत्र के चार, होमियोपैथी क्षेत्र के चार और यूनानी के एक सदस्य का निर्वाचन दिनांक 17 अगस्त, 2017 को सम्पन्न हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि सी0सी0आई0एम0 के चुनाव में उपयोग होने वाले सीलबंद बैलेट पेपर इनकम टैक्स गोलम्बर के पास लावारिस हालत में मिला था, जिसमें धांधली की बू आने पर बिहार से होमियोपैथ से निर्वाचित चार सदस्यों का चुनाव रद्द कर दिया गया था, परन्तु शेष निर्वाचित सदस्यों का चुनाव रद्द नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिहार में सी0सी0आई0एम0 के लिये शेष निर्वाचित सदस्यों का भी चुनाव रद्द कर पुनः धांधलीमुक्त निर्वाचन कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डॉक्टर की बहाली

36. श्री अखतरूल इस्लाम शाहीन--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 20 अगस्त, 2017 को प्रकाशित शीर्षक ''बिहार में 28 हजार पर एक डॉक्टर'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि देश में 11,528 लोगों की आबादी पर एक डॉक्टर का राष्ट्रीय औसत है ;

(2) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में 28,391 लोगों की आबादी पर इलाज हेतु एक डॉक्टर उपलब्ध है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार एक हजार की आबादी पर एक डॉक्टर की आवश्यकता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुरूप इलाज हेतु डॉक्टर की बहाली करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नोट--'क'-दिनांक 15 मार्च, 2018 को सदन द्वारा स्थगित ।

कार्रवाई करना

37. श्री ललित कुमार यादव--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 23 जनवरी, 2018 को प्रकाशित शीर्षक ''पी0एम0सी0एच0 स्टोर में पाँच वर्षों से सड़ रहे हैं तीन वेंटिलेटर'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पी0एम0सी0एच0 में वर्ष 2012 में आठ चाईल्ड वेंटिलेटर मेकंट (Mekant) कम्पनी से खरीदी गई थी, जिसका उपयोग नहीं होने के कारण शिशु विभाग में वेंटिलेटरों के अभाव में बच्चे दम तोड़ रहे हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि खरीदी गई 8 वेंटिलेटरों में से 5 वेंटिलेटर का उपयोग अस्पताल प्रशासन ने कर लिया लेकिन पाँचों वेंटिलेटर शुरू से ही खराब रहने के कारण अस्पताल प्रशासन द्वारा 3 वेंटिलेटर को लेने से इनकार कर दिया जो पी0एम0सी0एच0 के स्टोर रूम में रखा हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वेंटिलेटर सप्लाई करने वाली कम्पनी मेकंट तथा अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

योजना पुनः शुरू कराना

38. श्री मिथिलेश तिवारी--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक लगातार तीन वर्षों का बकाया भुगतान विभिन्न बीमा कम्पनियों द्वारा सरकार द्वारा चयनित अस्पतालों को नहीं किये जाने के कारण गरीबों की मुफ्त चिकित्सा की यह महत्वपूर्ण योजना दिनांक 31 मार्च, 2017 से बन्द है, यदि हाँ, तो क्या सरकार राज्य के सभी चयनित अस्पतालों के बकाया राशि का भुगतान बीमा कम्पनियों से कराकर इस महत्वाकांक्षी योजना को पुनः शुरू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पढ़ाई शुरू कराना

39. श्री अनिल सिंह--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में आधारभूत संरचनाओं की कमी रहने के कारण नेफोलॉजी, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी विषय में डी0एम0 एवं एम0सी0एच0 की पढ़ाई की अनुमति एम0सी0आई0 द्वारा नहीं दी गयी है जिसके कारण राज्य के मेधावी छात्र बाहर पढ़ने चले जाते हैं, यदि हाँ, तो सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों में उपर्युक्त विषयों की पढ़ाई शुरू कराने हेतु कौन-सा कदम उठाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 23 मार्च, 2018 (ई0) ।

राम श्रेष्ठ राय,
सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 127-डी0टी0पी0-550